हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व ता. अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
आज पत्रावली पेश हुई। चूंकि [illegible] दि० 29-8-2017 को [illegible] हो चुका है। अत: [illegible] 212 [illegible] का औचित्य समाप्त हो जाने से [illegible]	

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

अंकित समस्त तथ्यों को स्वीकार किया है।

4. यह कि प्रार्थना–पत्र की मद नं. 4 मे अंकित समस्त तथ्यों को अप्रार्थीगण ने स्वीकार किया है, स्वीकारोक्ति मात्र से ही प्रार्थना–पत्र साबित हो जाता है।

5. यह कि अप्रार्थीगण ने इस मद का गलत जवाब दिया है। मूली बाई व धन्नालाल के नुत्फे से एक मात्र सन्तान रामनिवासी बाई हुयी है, इस प्रकार मूली बाई को औंकार जी की विरासत से जो आराजियात मिली है, उसकी एक मात्र स्वामि व अधिकारणी रामनिवासी बाई जयें कायम मुकामान है।